मैं बडकूं लाल बलाई S/o स्व. भौरे लाल जी ग्राम - निर्भयपुरा पो. अकबरपुर पं.सं. मालाखेडा तं. मालाखेडा
जिला अलवर राजस्थान का निवासी हूं। मै वर्तमान में रा.उ.मा.वि. ढहलावास पं.सं. उमरैण जिला अलवर राज.
में अध्यापक पद पर 25 वर्ष से कार्यरत हूं। मेरी राजकीय सेवा लगभग 38 वर्ष होने को है। मेरी सेवा निवृत्ति 5 माह
बाद 30/6/26 को होने वाली थी। मैं 4-5 वर्ष से मानसिक, बौद्धिक शारीरिक हालात से पीडित हूं। आज से 4--5 वर्ष
पूर्व जब मेरे बडे बेटे की शादी थी तो शादी से दो दिन पूर्व जबरदस्त माइंड स्ट्रोक आया था तथा शरीर के आधे हिस्से में
पैरालाइज हुआ था तथा मूँह भी टेढा हो गया था आँखो की रोशनी भी बहूत कम हो गई थी मुझे चलने में कमरे के
दरवाजे तक का भी पता नही था घर दो दिवस बाद बेटे की शादी थी ऐसी स्थिति में शादी से दो दिन पूर्व मुझे
गाँव के 4-5 व्यक्ति एवं मेरा छोटा भाई, मेरे बडे भाई का लडका अलवर लेकर गए। वहाँ पर न्यूरोलोजिस्ट डॉ.
अभिषेक गोयल को दिखाया 50-60 हजार रुपये की जाँच एवं दवाईयाँ दी मुझे तो होश नही था मेरे छोटे भाई
को बतलाया। की स्थिति गम्भीर है। कुछ भी हो सकता है। शादी थी इसलिए दवाईयाँ लेकर मुझे घर पर लाए।
वहाँ पर इलाज शुरू किया मेरे बेटे की बारात में भी नही जा सका मेरा बेटा दुल्हा बनकर बारात में रोता ही चला
गया। मुझे कोई होश नही था मेरे पास में मेरे रिश्तेदार जो स्थानीय कपांउडर था एक रिश्तेदार जो SMS Hospital
जयपुर में कपांउडर था उन्हे मेरी देखरेख के लिए घर पर मेरे पास छोड़कर गए। बारात लौटने के बाद डॉ. पंकज शर्मा
न्यूरोलोजिस्ट के दिखाया उससे कोई आराम नही मिला। उसके बाद मुझे जयपुर लेकर गए वहाँ पर मुझे
SMS Hospital की डॉ. भावना शर्मा (न्यूरोलोजिस्ट) को दिखाया उन्होने गम्भीर स्थिति बतलाई उन्होने कहाँ की
पेसेन्ट की स्थिति खराब है। पागल भी हो सकता है। नस भी फट सकती बौद्धिक स्थिति कमजोर रहेगी। अधिक
सुधार नही हो सकता दवाईयाँ लेते रहे पुरे जीवन, मेरी उम्र 60 वर्ष होने को है। मुझे कुछ भी समझ नही आता है।
क्या करना है। कैसे करना है। पता नही लग पाता है। अब जाँच करवाई तो जाँच में 30% सुधार बताया है।
मेरे कुछ भी समझ नही आता है। मेरे पास में 600 HPL अवकाश है। 300 दिनो के बराबर मेरी सेवा निवृत्ति से पुर्व
115 दिन वर्किंग डे है। वे भी नही ले पा रहा हूं। मैं गंभीर स्थिति से गुजर रहा हूं। मेरी सुनने वाला कोई भी नही है।
मेरे 3 बेटे है। पढे-लिखे है। नोकरी की तैयारी कर रहे है। मेरे परिवार में 11 सदस्य है। इसलिए मैं अनिवार्य
सेवा निवृत्ति भी नही ले पाया। क्योकि इस समय वे सभी मेरे पर आश्रित है।
प्रधानाचार्य सुनीता बाई, उसके बाद प्रधानाचार्य गायत्री जी, उसके बाद प्रधानाचार्य A. K. मिश्रा जी से
से अनुरोध किया की मेरी मानसिक स्थिति बहूत खराब है। और मेरी 30 जून-26 को सेवा निवृत्ति भी है।
मेरा कार्यभार किसी भी अध्यापक को दिलवा दो पर मेरी सुनने वाला कोई नही है।
मेरे पास में निः शुल्क पाठ्यपुस्तको का PEEO ढहलावास नोडल के 8 विद्यालयो का कार्यभार है। तथा
स्वयं के विद्यालय ढहलावास के कक्षा 1-12 तक का चार्ज है।
इसी प्रकार वर्क बुक व लाइब्रेरी का चार्ज भी PEEO नोडल के 8 विद्यालयों का एवं स्वयं के विद्यालय का चार्ज
भी मेरे पास में है। इस चार्ज को कोई लेने को तैयार नही है। मैं अत्यंत बुरी स्थिति से गुजर रहा था।
फरवरी 2026 में कक्षा 5,10,12 का बोर्ड EXM है। तथा मार्च 2026 में कक्षा 1,2,3,4 व 6,7,9,11 की परीक्षाएं
है। अप्रेल/26 में पँचायत चुनाव है। तथा 16 May/26 से जनगणना है। मै चार्ज कब देता व रिटायमेन्ट
के कागज भी कब तैयार कराता मै बहूँत बुरी स्थिति से गुजर रहा था जो मानसिक हालात में थोड़ा बहूंत
सुधार था वो भी नही रहा। सोच- सोचकर रात्री को नींद भी नही आ रही थी की करूँ तो क्या करूँ मेरा
खाना - पिना छूट गया था मै अत्यंत दुखी हो गया था तथा मुझे प्रताडित भी किया जाता था कहते थे कार्य
आप कैसे भी करो हमें पता नहीं आप जानो अपका काम जाने। मेरा मजाक और उडाया जाता था।
निः शुल्क पाठ्यपुस्तक, वर्क बुक, लाइब्रेरी बुक को लाने मे 2025-26 में स्वयं के पैसे खर्चकर 20 चक्कर लगे
इतने दिन इन सामग्री को मुझे अधिनिस्त विद्यालय एवं स्वयं के विद्यालयों को बांटने में लगे। कक्षा 1-5 में अध्यापन
कराने वाला कोई नही थे केवल एक अध्यापिका सीमा गुप्ता थी उन्हें बच्चो से कोई लेना - देना नही। कोई बच्चे
विद्यालय आये या न आये उपस्थिति भी दर्ज नही कर पाती थी।
मैने अपने चार्ज के बारे में प्रधानाचार्य सुनीता बाई से भी अनुरोध किया कि मैडम मेरी मानसिक हालात खराब है।
और मेरा रिटायरमेन्ट भी है। किसी भी कार्मिक को मेरा चार्ज दिलवा दो मेरी कुछ भी नही सुनी
और कहाँ कैसे भी करो मैं किसी से नही कहती आप जानो आपका काम जाने में ट्रासफर कराके चली
जाऊँगी आने वाला जाने। उसके बाद माह अक्टूबर/2025 में प्रधानाचार्य श्रीमती गायत्री जी से
अनुरोध किया उन्होने कहाँ कि मै तो जल्दी यहाँ से प्रमोशन लेकर चली जाऊँगी आने वाला

प्रधानाचार्य जानें अब आप चाहें मानसिक से पीड़ित हों या बौद्धिक स्थिति पिडित कैसे भी कार्य करो आप जानो आपका कार्य जानें। मै किससे कहूँ। कोई लेना नही चाहाता सब लड़ने को तैयार है। उसके बाद दिसम्बर 2025 में नये प्रधानाचार्य A·K मिश्रा जी आये उनसे मैंने हाथ जोड़कर अनुरोध किया एवं प्रार्थना पत्र भी दिया। जिसकी मैंने 2 कॉपियां बनाई थी की प्रार्थना पर साइन कर एक कॉपी मुझे दे दों पर नही दी। और कहाँ इस पर विचार करेंगे। प्रार्थना दिए हुए 15-16 दिन हो गये कोई विचार नही किया। और मानसिक से दिनो-दिन पीड़ित होता जा रहा था। कहते की आप नाम बताओं किसको दें। अब मै किसका नाम लेता मुझसे किसी कर्मचारी से लड़ाना चा रहे थें।

मेरी मानसिक, बौद्धिक स्थिति दिनो दिन बिगड़ती जा रही थी और मेरी सुनने वाला कोई नही था

→ सत्र 2024-25 में कक्षा 1 से 5 तक को पढ़ाने वाले अध्यापक जुलाई 25 में 6 अध्यापक कार्यरत थे श्री गिर्राज प्रसाद जी को गाँव वालो की शिकायत पर रा० वि० मिल्कपुरियों की ढाणी लगा दिया गया। जहाँ पर 6 का नामांकन, अध्यापक अब 3 कार्यरत है। ये ही एक अध्यापक थें जो ढहलावास स्कूल में 1-5 के बच्चें एवं स्कूल के प्रति पुर्ण समर्पित थें भवन की देखभाल, साफ-सफाई करवाना, पोषाहार में पुर्ण सहयोग। यह ही वे अध्यापक थें जिन्होने मेरे साथ में पुर्ण सहयोग किया। मेरे बिमार होने पर भी मेरा पुर्ण सहयोग किया इनके जाने के बाद अध्यापको ने मेरी मानसिक स्थिति खराब होने पर भी मेरा सहयोग नही किया उल्टा मुझे परेशान करने की कोशिश की गई।

→ मेरे पास नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक, वर्कबुक, लाइब्रेरी, एवं कक्षा 2 से 5 तक पर्यावरण विषय का अध्यापन कार्य PEEO ढहलावास नोडल होने के कारण PEEO परिक्षेत्र के 8 स्कूलो का भी चार्ज था पर मेरा सहयोग किसी ने नही किया। इतनी बीमारी के बावजूद मुझे बहुत दुखी कर दिया था।

→ जुलाई 2025 (यानी सत्र 2024-25) में कक्षा 1 से 5 तक के लिए 5 अध्यापक एवं 2 पंचायत शिक्षक होने के बाऊजुद कक्षा 1, 2, 4, 5 का रिजल्ट तक भी नही बनाया। परीक्षा प्रभारी श्री अनिल जी को कोई परवाह नही थी उनसे कहाँ रिजल्ट के बारे में तों कहते थे कि मुझे कोई परवाह नही। मेरे पास प्रोपर्टी है। एवं मेरी ऊंची पहूंच कोई रिजल्ट बनावे या न बनावे मुझे कोई परवाह नही।

→ सारे रिजल्ट को भी ONLINE मेरे द्वारा किया गया ताकि बच्चें प्रोन्नत होकर अगली कक्षा में जा सके।

→ सीमा गुप्ता को सत्र 2024-25 के रिजल्ट की कोई परवाह नही थी और रिजल्ट बनाया भी नहीं। कहती मुझे कोई परवाह नही अनिल जी जाने उसका काम जानें। और कहती अब में जाओ और भाड़ में निकलो। मुझे कोई परवाह नही मेरी जानकारी एवं पावर बहुत ऊँचा है।

→ सत्र 2024-25 में कक्षा 1 के अध्यापक प्रितेन्द्र सिंह एव कक्षा-5 कक्षाध्यापक रोशन लाल ने रिजल्ट बनाना जरूरी नहीं समझा मैने उनसे कहाँ भाई ONLINE तो मैंने कर दिया जबकि मै इन कक्षाओं न क्लास टीचर और न ही परीक्षा प्रभारी था तो उन्होने कहाँ हम कुछ भी नही करेगे हमारी जानकारी व पहुंच ऊंची है। शराब पीकर गाली-गलौच व अपशब्दो का प्रयोग किया हमारी कलेक्ट्रेट में एवं शिक्षा विभाग में हमारी जानकारी व पावर बहूत ऊँची है। हम RTI लगा देगे तेरी नोकरी खा जायेगे रोता डोलेगा रिटायरमेन्ट नही लेने देगे हम दोनो बहूँत खतरनाक आदमी है। जब परीक्षा प्रभारी अनिल कुमार एवं प्रधानाचार्य कुछ नही कह रहे है। तो तू क्यों याद दिलवता है। ऐसा ही जवाब सीमा गुप्ता अध्यापिका ने दिया मैं चुप हो गया अनिल कुमार परीक्षा प्रभारी ने मुझे भी परीक्षाफल लाकर नही दिया। मैने कक्षा तीन की ऑनलाइन मार्कशीट निकलवाकर उन्ही को बाइडींग कराके अनिल कुमार परीक्षा प्रभारी को जब विधालय मे आये जमा करवा दिया। इन सबके बारे में मौजूदा प्रिंसिपल सुनीता बाई को अवगत करवाया तो उन्होने जवाब दिया की मै इन शराबी, बदतमीज लोगो से बात नही करूंगी ये कुछ भी करे।

→ सत्र 2025-26 में श्री गिर्राज प्रसाद जी जो विधालय एवं बच्चो के प्रति समर्पित थें उन्हें मिल्कपुरियों ढाणी प्राथमिक विधालय में लगा दिया गया।

→ श्री अनिल कुमार वर्मा को SDM कार्यालय अलवर में लगा दिये गए।

→ श्री रोशन लाल यादव अध्यापक L-1 को भी 1 अगस्त 25 को SDM कार्यालय अलवर में लगा दिया गया।

→ श्री प्रितेन्द्र सिंह अध्यापक L-1 को भी 1 अगस्त-25 को S·D·M कार्यालय अलवर में लगा दिया गया।

→ सीमा गुप्ता को भी 1 महिने के लिए SIR में अलवर लगा दी गई।

→ श्री राजेन्द्र कुमार को SIR व BLO में लगा दिया गया।

→ श्री रवि कुमार पंचायत सहायक (शिक्षक) को विधालय से कोई लेना-देना ही नही।

इसके बाद मै रह गया अकेला। 10 बार नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक अलवर एवं उमरैण से लाया 5-7 बार लाइब्रेरी पुस्तके एवं वर्कबुक
लेकर आया PEEO हलवास के परिक्षेत्र को मै सभी सामग्री। 5 बार वितरण की एवं स्वयं विद्यालय के विद्यार्थियों को वितरण की
कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियो की पढ़ाई चौपट हो गई। मुझे इन बच्चों की स्थिति देखकर बड़ा दुख लगा।
मैं मानसिक हालात से पीड़ित था मेरी और भी स्थिति नाजुक हो गई पर फिर भी मैं संघर्ष करता रहा। मेरी सुनने वाला कोई नही था
मुझे जितना परेशान किया जाए अधिक से अधिक परेशान किया गया। मुझे मेरी रिटायर मेन्ट के कागजो को बनाने का भी समय नही दिया गया
प्राथमिक कक्षा 1-5 के बच्चों को भी घर-घर जाकर परीक्षाओ के लिए उनके घरो से ढूंढ ढूंढकर लाया। मेरा किसी सहयोग नही किया
मुझे बच्चों पाठयोजना बनाने व चैकलिस्ट भरने का भी टाइम नही मिला। मेरी ऐसी मानसिक स्थिति और इतना दबाव के कारण
मेरी मानसिक एवं शारीरिक स्थिति और खराब हो मेरी मानसिक स्थिति दवा लेने के बावजूद भी ज्यादा खराब होती चली गई। डॉक्टर भावना
शर्मा को इस बारे में बतलाया तो उन्होने कहाँ कि इस प्रकार टेंशन लोगे तो यह बीमारी अधिक होगी आपको आराम की ज्यादा
आवश्यकता है।

जुलाई 2025 में बेसलाइन असेसमेंट कक्षा 2,3,4,5 के विषयाध्यापको ने नही लिया उनसे कहाँ गया तो कहते है। हम कोई
बेसलाइन असेसमेंट नही लेगे। हम तो ड्यूटी लगवा लेगे हमें क्या करना जबकि ये पेपर - हिन्दी विषय का सीमा गुप्ता
को लेना था। अंग्रेजी विषय का रोशन लाल यादव को लेना था। गणित विषय का अनिल कुमार जी को लेना था जो
अनिल कुमार जी की जगह राजेन्द्र प्रसाद जी को लगाया था किसी ने भी नही लिया अब मुझें बच्चा जिस कक्षा मे था
उसी कक्षा स्तर पर ONLINE करना पड़ा। मेरी कोई भी सुनने वाला नही था। मैंने मौजूदा प्रधानाचार्य को अवगत कराया
तथा उप प्रधानाचार्य गायत्री जी को बतलाया तो उनका जवाब था की कोई लेवे या ना लेवे मुझे कुछ पता नही।
मैंने मेरी 38 साल की नौकरी में ऐसा कभी नही देखा।

सत्र 2025-26 में कक्षा 1 से 5 तक पढ़ाने हेतु गणित विषय श्री राजेन्द्र कुमार पंचायत शिक्षक को लगाया। तथा कक्षा
4 का कक्षाध्यापक बनाया। बच्चों को एक भी पाठ नहीं पढ़ाया न ही होम वर्क की कॉपियाँ चैक की। पूरे सत्र
बच्चो को कुछ भी नही पढ़ाया। पेपर भी बच्चों से मैंने घर-घर से बुलाकर बड़ी मुश्किल से लिए जो भी मौजूद
प्रधानाचार्य इस विद्यालय में रहे उनको इस बारे में अवगत कराया तो उनका जवाब था कुछ भी करो भाड़ में जाए हमे
कोई लेना-देना नहीं आप जानो आपका काम जाने

सत्र 2025-26 में कक्षा 1 से 5 तक को पढ़ाने हेतु अंग्रेजी विषय पढ़ाने के लिए लगाया गया। बच्चो को एक भी
LESSON पूरे सत्र में नही पढ़ाया। विद्यालय में 11:00 A.M पर आता एवं 2:00 P.M पर वापिस अपने घर चला जाता
था। जो भी मौजूदा प्रधानाचार्य इस विद्यालय के प्रधानाचार्य पद पर रहें। उन्हें समय-समय पर मैंने मौखिक रूप
से अवगत कराया। उनका रटा-रटाया एक ही जवाब था। आप जानो आपका काम जाने हमें कुछ पता नही।
ऐसी स्थिति में मेरी मानसिक स्थिति और अधिक खराब हो गई। मुझे समझ नही आता था की मै क्या करूं मेरी मानसिक
स्थिति के कारण मुझे कुछ भी पता नही रहता था। लेकिन मेरे पर किसी को भी दया नही आई। मेरा खाना-पीना भी
छूट गया था।

मेरी 38 साल की नौकरी का सच्चा सबूत (प्रथम नियुक्ति 25-03-1988

1- मेरी प्रथम नियुक्ति रा०उ० प्रा० वि० बैरेर पं. स. रैणी अलवर मे हुई वहाँ पर मैने 6-7 वर्ष तक अध्यापन करवाया। तथा मुझे परीक्षा
का चार्ज दिया गया। वहाँ मैंने कक्षा 3 से 8 तक अध्यापन करवाया तथा परीक्षा प्रभार का कार्य किया। अच्छे से पढ़ाया
तथा अच्छे से प्रभार का कार्य किया आज भी जब में वहाँ जाता हूँ। तो गाँव के लोग आज याद करते है।

2- दूसरा विद्यालय - रा०उ० प्रा० वि० खारेडा में। जुलाई 1995 से रहा। लगभग 6½ वर्ष रहा वहाँ पर कक्षा 6,7,8 में अंग्रेजी एवं
विज्ञान विषय का अध्यापन करवाया तथा परीक्षा प्रभारी का कार्य भार सम्भाला उस कार्यकाल को वहाँ के विद्यार्थी रहे
एवं गांव के लोग याद करते है। कभी भी स्कूल टाइम की एवं पढ़ाई की शिकायत नहीं आई।

3. केवल 4 माह राज०उ० प्रा० वि० बीजवाड़ नरूका पं. स. उमरैण में कार्यरत रहा कभी, भी कोई शिकायत नही आई (मेरी कार्य प्रणाली
के बारे में।

4- आज मुझे 25 वर्ष हलवास में हो गये। जब मैं सन् 2001 यहाँ पर आया तो यह विद्यालय उ० प्रा० वि० था।
मैंने यहाँ पर कार्यग्रहण किया मुझे आते है। परीक्षा का कार्यभार दिया गया तथा 3 से 5 तक पर्यावरण विषय
तथा 6 से 8 तक विज्ञान विषय दिया गया मैंने अपना अध्यापन कार्य अच्छे निभाया इसके गवाह यह के बच्चे
है। आज तो जो बच्चे मैंने पढ़ाए उनके बच्चे भी मेरे पास पढ़ने के लिए आते है। यह विद्यालय 2007 मे
सैकण्डरी विद्यालय में क्रमोन्नत हुआ। प्राथमिक विद्यालय अलग हो गया। इस भवन कक्षा 6,7,8,9,10
चलने लगी हालाकि उस समय में मिडिल बजट का अध्यापक था लेकिन मुझे सैकण्डरी विद्यालय में

दी रखा गया मुझे कक्षा 6,7,8 का विज्ञान विषय एवं 9,10 का S·Steady विषय पढ़ाने को दिया गया तथा पहली बार 8वीं बोर्ड का सैन्टर बना था प्रथम बार परीक्षा प्रभारी के तौर पर 8वीं बोर्ड की परीक्षाएँ करवाई, कक्षा 9 व 10 में सामाजिक विज्ञान विषय 7 वर्ष तक पढ़ाया और अच्छा रिजल्ट दिया। सत्र 2013-14 में यह विद्यालय सीनियर सेकेंडरी मे क्रमोन्नत हुआ 2 वर्ष तक मैने प्रधानाचार्य के आदेशानुसार कक्षा 11 व 12 में इतिहास विषय का अध्यापन करवाया और अच्छा रिजल्ट दिया। उसके बाद मुझे कक्षा 1 सें 5 में अध्यापन कराने के लिए लगाया गया। हालाकि में राजनीति विज्ञान सें M.A था परन्तु मैने B.S.T.C कर रखी थी इसलिए मुझे अध्यापक L-1 मानते हुए कक्षा 1 सें 5 में अध्यापन हेतु लगाया गया। 9 वर्ष तक बच्चो कों अच्छे से अध्यापन करवाया कोई शिकायत नही। 1 सें 5 में 6 अध्यापक कार्यरत थे।

मेरी जीवन भर की सारी मेहनत को सत्र 2024-25 व सत्र 2025-26 मे खराब कर दिया। और अब अत्यधिक मानसिक हालात सें जूझ रहा हूं। मेरी कोई सुनने वाला नहीं है। मुझे कहे गए शब्द 5 मिनट उपरान्त भी याद नहीं रहते मेरा रिटायरमेन्ट 30 जून 2026 को है। मेरा नि:शुल्क पाठ्य पुस्तको का चार्ज नोडल के 8 विद्यालयो का एवं स्वयं के विद्यालय का, लाइब्रेरी का चार्ज भी नही लिया गया। मै ऐसी स्थिति मे अवकाश भी नही ले पा रहा था। न प्राथमिक कक्षा को अध्यापन कराने वाला न बच्चों का रिजल्ट बनाने वाला न कोई मेरी मदद करने वाला न कोई मेरा चार्ज लेने वाला मै रिटायरमेन्ट कागज बनवाने को भी छुट्टी नही ले पा रहा था (माइंड स्ट्रोक दिनो दिन बढ़ता जा रहा था कुछ समझ नही आ रहा था मेरे पास चिंतन मनन करने की भी क्षमता नही बची थी।

मै तो ईश्वर सें परमपिता परमात्मा सें यही अनुरोध करूँगा उन दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दें। और शिक्षा विभाग भी इन दोषी लोगो पर कार्यवाही करे। जिन्होने मुझे आत्महत्या करने को मजबूर किया। यह मेरा अंतिम अनुरोध है।

मैं इन सारी परिस्थियों सें जूझ कर आत्म हत्या करने को मजबूर हुआ हूं।

मेरे छोटे भाई मामचन्द, बड़े भाई का लड़का सुरेन्द्र कुमार मेरे तीनो बेटे, तीनो पुत्रवधू मेरी प्यारी सी सभी पोतियां एवं मेरी धर्मपत्नी संतोष देवी को बहुत-बहुत प्यार और मेरा अंतिम प्रणाम जो मैने इन परिस्थितियों मे कदम उठाया है। मुझे माफ करना सभी ग्रामवासियो को मेरा अंतिम राम, राम जी

[signature]

बड़न लाल बलाई (अध्यापक)

हे ईश्वर परमपिता परमात्मा मेरे परिवार को शक्ति प्रदान करने की कृपा करें।